Mr. Waqar Naqvi - CEO, Taurus Mutual Fund

Current Market Scenario and Investment Opportunities

Source: Business Bhaskar, Editions: Chandigarh/Delhi, Date: March 25, 2011

शॉर्ट टर्म डेट और इंफ्रास्ट्रक्चर फंडों में करें निवेश

वकार नकवी

मौजूदा आर्थिक हालात के मद्देनजर डेट फंडों में निवेश करना फायदे का सौदा नजर आता है। लांग टर्म की जगह शॉर्ट टर्म डेट फंडों को चुनना ठीक रहेगा। इक्विटी और डेट के साथ सोने में निवेश करने वाले एमआईपी में निवेश से ज्यादा लाभ की उम्मीद की जा सकती है।

वैश्विक बाजार और खास तौर से भारतीय शेयर बाजार क्रॉस रोड पर खड़ा दिखता है। रुख किधर का होगा कहना थोड़ा मुश्किल है। भारतीय शेयर बाजार अनिश्चितताओं से भरा है और कुछ खास मसलों से खासा प्रभावित हुआ है। विपक्ष सरकार को पटखनी देने का प्रयास कर रहा है। कुछ मसले ऐसे रहे भी हैं जैसे 2जी स्पेक्ट्रम, बढ़ती महंगाई आदि जिससे न केवल संसद का कामकाज बाधित हुआ बल्कि सरकार के सामान्य क्रियाकलाप भी प्रभावित हुए। इसका शेयर बाजार पर खासा असर हुआ है।

वैश्विक मोर्चे पर इजिप्ट में पिछले दिनों एक साथ उभरी कई राजनीतिक समस्याएं जहां कि पिछले 30 सालों से शासन कर रहे राष्ट्रपति को गद्दी छोड़ने पर मजबूर कर दिया गया। साथ ही बहरीन, यमन, लीबिया, अल्जीरिया का आम नागरिक भी सरकार के साथ अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है लिहाजा इन देशों में भी राजनीतिक संकट का माहौल है और इन सब को छाया वैश्विक शेयर बाजारों पर भी है। हालांकि, धीरे-धीरे वैश्विक रिकवरी हो ही रही थी कि अचानक जापान पर भयंकर सुनामी व भूकंप का कहर टूट पड़ा। इस प्राकृतिक आपदा का भी विश्व के बाजारों पर प्रतिकूल असर पड़ा। लीबिया का संकट एक तो वैसे ही कच्चे तेल की कीमतों पर भारी पड़ा है लेकिन इसमें कोई खास इजाफा देखने को नहीं मिला है। सोने व चांदी की कीमतों में निकट भविष्य में होने वाली बढ़ोतरी का संकेत सावधान रहने के लिए कह रहा है। मार्च 2011 की क्रेडिट पॉलिसी में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट व रिवर्स रेपो रेट बढ़ाते हुए संकेत दिया कि अगर मुद्रास्फीति में वृद्धि जारी रही तो कुछ और बढ़ोतरी भी की जा सकती है। इससे शार्ट टर्म के लिए ग्रोथ पर असर पड़ने की संभावना है। पर कुछ अच्छे संकेत भी हैं। अमेरिका में गैर कृषि रोजगार बढ़ रहा है, हालांकि धीरे-धीरे। यूरोपियन मार्केट में भी सुधार हो रहा है। चीन बिना ग्रोथ को छेड़े मुद्रास्फीति को नियंत्रित कर रहा है।

क्या करें निवेशक

मेरी सलाह है कि बाजार में फिक्स्ड इन्कम उत्पादों की भरमार है। मौजूदा आर्थिक हालातों को देखते हुए कुछ धन डेट इन्स्ट्रूमेंट में भी लगाइए। पर इस समय लांग टर्म इन्कम फंडों में पैसा लगाना बुद्धिमानी नहीं होगी। शॉर्ट टर्म इन्कम फंडों में कुछ पैसा जरूर लगाया जा सकता है साथ ही डेट इन्स्ट्रूमेंट में निवेश करने वाले मंथली इन्कम प्लान-एमआईपी की ओर भी ध्यान दिया जा सकता है। मेरी पसंद भी एमआईपी में निवेश करना है जो कि गोल्ड, इक्विटी व डेट का मिश्रण होते हैं और यही बेहतर मिश्रण भी है क्योंकि जैसे हालात ब्याज दरों के हैं उसमें इनमें ग्रोथ की पूरी संभावना है। हालांकि शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। यह जान लें कि लांग टर्म में सभी परिसंपत्ति वर्गों में इक्विटी ही सबसे बेहतर लाभ देता है। एमआईपी भी अच्छा विकल्प है जो बाजार की अस्थिरता से निवेशकों की रक्षा भी करता है। पर यहां भी बात लांग टर्म की ही आती है कि बेहतर रिटर्न चाहिए तो लांग टर्म के लिए निवेश करें।

कौन सा फंड रहेगा बेहतर

हमने देखा कि भारतीय शेयर बाजारों में पिछले तीन-चार महीनों में तकरीबन 20 फीसदी की गिरावट आई है। साथ ही हमने मिड कैप व स्माल कैप में भी लार्ज कैप शेयरों की तुलना में ज्यादा गिरावट देखी है। यह बाजार में आमतौर पर होता ही रहता है क्योंकि जब भी बाजार में पैसे का प्रवाह होता है तो वह अमूमन लार्ज कैप में होता है और जब लार्ज कैप स्टॉक महंगे हो जाते है तो पैसा मिड कैप में लगना शुरू हो जाता है। इसलिए मेरा मानना है कि चाहे लार्ज कैप फंड चुनिए या फिर मल्टी कैप फंड पर इसमें निवेश करने से पहले एक बार अपने निवेश सलाहकार से भी पता कर लें वह इस बारे में आपको अच्छी तरह से गाइड करेगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड भी अच्छे हैं। हमने देखा है कि भारतीय शेयर बाजारों में पिछले तीन-चार महीनों में जो तकरीबन 20 फीसदी की गिरावट आई है उससे ये अछूते रहे हैं। यह आज के माहौल में बेहतरीन विकल्प है। आज के भारत की जरूरत है इन्फ्रास्ट्रक्चर। वित्तीय विधेयक में ढांचागत विकास पर खास ध्यान दिया गया था।

मेरी राय में ये थोड़े समय में अपनी गति पकड़ने लगेंगे। मैं कुछ पैसा इन फंडों में भी लगाना चाहूंगा। मेरी आखिरी पसंद वे फंड हैं जिनका लक्ष्य कैश-रिच कंपनियों के शेयर होते हैं। इसका एक उदाहरण डिविडेंड यील्ड फंड है और साथ में एथिकल फंड भी जो कि ऐसी कंपनियों के स्टॉक खरीदते हैं जिनका इंटरेस्ट आउटफ्लो नगण्य होता है। ऐसे फंड ज्यादातर समय अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

कुल मिलाकर डेट साइड में मेरी पसंद गोल्ड कंपोनेंट के साथ एमआईपी, शॉर्ट टर्म इन्कम फंड हैं जबकि इक्विटी साइड में लार्ज कैप फंड या मल्टी कैप फंड, इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड व डिवीडेंड यील्ड/एथिकल फंड को तरजीह दूंगा। बस इतना ध्यान रहे कि निवेश करते रहिए। जो लोग सड़क के किनारे खड़े होकर आंधी तूफान को दोष देते हैं वे जल्दी मंजिल तक नहीं पहुंचते।

- लेखक टॉरस एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं।

We will continuously keep you abreast of latest development and happenings at Taurus Mutual Fund through this mail service "TAURUS Talk".

You may visit the following links and make use of the available information for your business

Visit the exclusive Distributor Centre at www.taurusmutualfund.com/Distributor_Centre/distributor_centre.html • Get business insight at www.ceoinsight.in
For any query you can write to distributorcare@taurusmutualfund.com

We value our relationship and appreciate your business & support.

Mutual fund investments are subject to market risks. Past performance may or may not sustain in future. Please read the scheme information document and statement of additional information carefully before investing.